संपादकीय

ये उम्मीद न टूटे

नवोदय विद्यालयों की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखार कर उन्हें मुख्यधारा की स्पर्धा में लाने के लिये हुई थी। मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था नवोदय विद्यालय समिति के तत्वावधान में शुरू हुई इस अभिनव योजना के तहत लाखों वंचित व गरीब समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को गरीबी की दलदल से बाहर निकाला गया। इस अभिनव योजना को शिक्षा जगत में सफल प्रयोग के रूप में मान्यता मिली। देश भर में 635 स्कूलों में 2.8 लाख बच्चे अपना भविष्य निखार रहे हैं। इन स्कूलों में हाई स्कूल में परीक्षाफल 99 और बारहवीं में 95 फीसदी रहा जो एक रिकॉर्ड है। यह परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों और सीबीएसई के राष्ट्रीय स्तर से बेहतर है। नवोदय विद्यालयों में 75 फीसदी सीटें ग्रामीण बच्चों के लिये होती हैं। विद्यालयों की लोकप्रियता का अंदाजा देखिये कि जितने प्रतियोगी इन स्कूलों के लिये परीक्षा देते हैं, उनमें से तीन प्रतिशत बच्चे ही परीक्षा पास कर पाते हैं। पिछले दिनों सूचना के अधिकार से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 से 2017 के बीच 49 बच्चों ने खुदकुशी की। ये आकंड़ा चौंकाता है। चिंता की बात यह है कि मरने वाले छात्रों में आधे दलित व आदिवासी हैं। वर्ष 2017 में 14 बच्चों ने आत्महत्या की। वहीं सामान्य व पिछड़े वर्ग के बारह-बारह बच्चों ने आत्महत्याएं कीं। आत्महत्या करने वालों में लड़कियों के मुकाबले लड़कों की संख्या ज्यादा थी।

हाशिये के समाज की प्रतिभाओं को निखारने वाली इस संस्था में आत्महत्या का यह आंकड़ा विचलित करने वाला है। कारणों की पड़ताल करें तो वे शेष देश जैसे ही हैं। जिनमें घर की समस्या, एकतरफा प्यार, शारीरिक दंड, टीचरों द्वारा अपमान, पढ़ाई का दबाव, अवसाद और दोस्तों के बीच लड़ाई होना बताया जाता है जो संस्था के नीति-नियंताओं को बच्चों के प्रति अधिक संवेदनशील होने की जरूरत बताता है। नि:संदेह छात्रावास में रहने वाले बच्चों की मनोदशा को समझने के लिये प्रशिक्षित व्यक्ति की जरूरत होती है, जिसके चलते विद्यालयों में काउंसलर नियुक्त करने की मांग उठी है। दरअसल, इन विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के व्यवहार में माइ ो स्तरीय बदलाव को महसूस करने वाले संवेदनशील अध्यापकों की कमी खलती है। वास्तव में ये शिक्षक पढ़ाने के अलावा खानपान, रहवास, चिकित्सा आदि का दायित्व भी निभाते हैं। ध्यान रहे कि इन स्कूलों में दाखिला छठी कक्षा से शुरू होता है और छात्र यहां बारहवीं तक अध्ययन करते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक ज्यादातर बच्चे उस समय आत्महत्या करते हैं जब परीक्षाएं होती हैं या जब वे गर्मी की छुट्टियां बिताने के बाद विद्यालय वापस आते हैं। जिसके चलते निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बच्चे कहीं न कहीं होम सिकनेस भी महसूस करते हैं। इनकी उम्र 9 साल से 19 साल तक की होती है, जिसमें इन्हें अपने मां-बाप व भाई-बहनों से अलग रहना भी अखरता है। फिर भी उन कारणों की गंभीर पड़ताल जरूरी है, जिसके चलते ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या करते हैं। जाहिरा बात है कि उनके एहसासों को गंभीरता से नहीं लिया जाता और उन्हें अपनी समस्या का समाधान नहीं मिलता जो कालांतर अवसाद का कारण बनता है।

मोदी सरकार का घर खरीददारों को तोहफा, एक साल और मिलेगा इस स्कीम का लाभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। घर खरीदने की प्लैनिंग कर रहे लोगों को सरकार कई तरह की राहत देने के मूड में है। एक ओर जहां सरकार ने सरकार ने क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम को एक साल के लिए बढ़ा दिया है, तो वहीं दूसरी ओर अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स को भी 12 फीसदी जीएसटी स्लैब से हटाने की तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में इस बात को दोहराया है।

बताया जा रहा है कि अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स को जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लैब से हटाकर 5 फीसदी की स्लैब में रखे जाने की योजना है। हालांकि, सरकार रेस्टोरेंट की तरह ही अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट पर इनपुट टैक्स क्रेडिट बंद कर सकती है, क्योंकि इनपुट टैक्स क्रेडिट का फायदा बिल्डर्स ग्राहकों को नहीं दे रहे। इसके साथ-साथ सरकार ने प्रधानमंत्री जन आवास योजना के तहत मिलने वाली क्रेडिट लिंक सब्सिडी योजना को भी एक साल के लिए बढाया है।

साल 2016 में लांच की गई प्रधानमंत्री आवास योजना की डेडलाइन को मार्च 2019 रखा गया था। इसके तहत एक निश्चित इनकम ग्रुप में आने वाले परिवारों को होमलोन पर सब्सिडी दी जा रही है। अभी सरकार अलग-अलग इनकम ग्रुप के हिसाब से 2.67 लाख रुपये तक की सब्सिडी देती है। माना जा रहा है कि आने वाली जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में सीमेंट पर जीएसटी की दरें भी घटाई जा सकती हैं। हालांकि, बिल्डर्स ये भी चाहते है कि बड़े शहरों में जमीन की कीमत प्रोजेक्ट के 50 प्रतिशत तक तय हो।

बता दें कि अभी देशभर में घर की लागत में 33त्न जमीन की कीमत मानी जाती है।

पेट्रोल, डीजल के दाम स्थिर, कच्चे तेल में गिरावट

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन स्थिरता बनी रही, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में फिर नरमी आ गई है।

विदेशी बाजार से मिले कमजोर संकतों से घरेलू वायदा बाजार में कच्चे तेल में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। कच्चे तेल के दाम में नरमी रहने से भारत में उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की महंगाई से राहत मिलती रहेगी क्योंकि भारत अपनी जरूरतों का 80 फीसदी तेल आयात करता है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें गुरुवार को भी पूर्ववत क्रमशः 68.65 रुपये, 70.78 रुपये, 74.30 रुपये और 71.22 रुपये प्रति लीटर बनी रहीं। चारों महानगरों में डीजल के दाम में क्रमशः 62.66 रुपये, 64.42 रुपये, 65.56 रुपये और 66.14 रुपये प्रति लीटर बने हुए थे। पूर्वाह्न 11.56 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कच्चे तेल का जनवरी एक्सपायरी अनुबंध 109 रुपये यानी 3.28 फीसदी की गिरावट के साथ 3,219 रुपये प्रति बैरल पर बना हुआ था, जबकि कारोबार के दौरान निचला स्तर 3,214 रुपये प्रति बैरल रहा।

अशोक लेलैंड की बिक्री 20 फीसदी घटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की दूसरी सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता अशोक लेलैंड के वाहनों की बिक्री में दिसंबर में साल-दर-साल आधार पर 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसने कुल 15,493 वाहन बेचे, जबकि साल 2017 के दिसंबर में कंपनी ने कुल 19,251 वाहनों की बिक्री की थी।

कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से दिसंबर की अवधि के दौरान कंपनी के वाहनों की बिक्री में साल-दर-साल पर 19 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और कंपनी ने कुल 1,37,848 वाहनों की बिक्री की, जबकि वित्त वर्ष 2017-18 के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी ने कुल 116,139 वाहनों की बिक्री की थी।

ट्रेन-18 की नई दिल्ली-वाराणसी यात्रा जल्द होगी शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंटेग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन 18 अपनी पहली यात्रा नई दिल्ली और वाराणसी के बीच करेगी। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ट्रेन 18 अपनी पहली यात्रा नई दिल्ली और वाराणसी के बीच, कानपुर और प्रयागराज होते हुए करेगी। उन्होंने कहा, परीक्षण की औपचारिकता पूरी होने के बाद इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाएंगे।

ट्रेन 18 का कड़ा परीक्षण किया जा रहा है और रिसर्च डिजायन एंड स्टैंडर्ड ऑगेनाइजेशन लखनऊ की देखरेख में अभी कुछ और परीक्षण बाकी है। इसने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति परीक्षण के दौरान सफलतापूर्वक पकड़ी है।

अधिकारी ने बताया कि ट्रेन 18 में कोई इंजन नहीं है, बल्कि यह मेट्रो ट्रेनों की तरह डिब्बों के साथ पूरी ट्रेन है, जिसे शताब्दी एक्सप्रेस के बेड़े में शामिल किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, ट्रेन 18 देश की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन है। किराए के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अभी तय नहीं किया गया है। अधिकारी ने यह भी ध्यान दिलाया कि कुंभ मेले से पहले ट्रेन 18 की सेवा शुरू हो जाएगी।

टीवीएस की बिक्री में छह फीसदी की तेजी

होसुर (आरएनएस)। दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर की बिक्री दिसंबर में छह फीसदी बढ़कर 2,71,395 इकाई हो गयी। कंपनी ने दिसंबर 2017 में 2,56,870 वाहन बेचे थे। कंपनी द्वारा आज जारी मासिक वाहन बिक्री के आंकड़ों के मुताबिक आलोच्य माह में उसने कुल 2,58,709 दोपहिया वाहन बेचे जो गत साल के समान माह में बिके 2,47,591 वाहनों से चार फीसदी अधिक है। घरेलू बाजार में कंपनी के दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,07,906 इकाई से एक फीसदी बढ़कर 2,09,906 इकाई हो गयी। स्कूटरों की बिक्री भी गत माह नौ फीसदी बढ़कर 83,638 इकाई से 91,480 इकाई हो गयी। मोटरसाइकिल की बिक्री में 13 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह आंकड़ा 95,246 इकाई से बढ़कर दिसंबर 2018 में 1,07,189 इकाई हो गया।

आचरेकर का निधन खेल जगत के लिए बड़ी क्षति : मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिग्गज क्रिकेट कोच रमाकांत आचरेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन खेल जगत के लिए बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, रमाकांत आचरेकर गुरु परंपरा की एक चमकती हुई मशाल थे। एक उत्कृष्ट गुरु, जिन्होंने वर्षों तक क्रिकेट की प्रतिभाओं को निखारा।

उन्होंने जिन रत्नों का प्रशिक्षित किया उन्होंने देश को अपार गौरव दिलाया। उनका निधन खेल जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मेरी संवेदनाएं।

जुलाई 2017 से सितबर 2018 तक जीएसटी रिटर्न नहीं भरने वालों को नहीं देना होगा विलम्ब शुल्क

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने जुलाई 2017 से सितंबर 2018 के लिए सारांश और अंतिम बिक्री रिटर्न दाखिल नहीं करने वाली जीएसटी रजिस्टर्ड कंपनियों को विलम्ब शुल्क (लेट फाइन) से छूट दी है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि हालांकि इन कंपनियों को 31 मार्च 2019 तक 15 महीने की अवधि के लिए अपना रिटर्न भरने का समय दिया गया है।

भगवान शिव की पूजा में भूलकर भी ना करें 'शंख' का प्रयोग

भगवान शिव के बारे में ऐसा कहा गया है कि वे ब्रह्मांड के कण-कण में शामिल हैं। उन्हें भोलेबाबा के नाम से इसलिए पुकारा जाता है कि वे बड़ी ही जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। ऐसे कई सारे उपाय हैं जिन्हें अपनाकर शिव जी को बड़ी ही आसानी से खुश किया जा सकता है। हालांकि कुछ छोटे-मोटे नियमों का पालन करना अनिवार्य है, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। भगवान शिव की जब भी पूजा करें तब गलती से भी शंख का इस्तेमाल न करें। अब सवाल यह आता है कि आखिर क्यों भगवान शिव की आराधना में शंख के इस्तेमाल की मनाही है? आज हम आपको इस बारे में बताने जा रहे हैं।बता दें, शिवपुराण में इस रहस्य का खुलासा किया गया है। इसमें ऐसा कहा गया है कि किसी जमाने में शंखचूड़ नामक एक महापराक्रमी दैत्य था। वह दैत्यराज दंभ का पुत्र था।

दैत्यराज दंभ ने कई सालों तक भगवान विष्णु की कठिन तपस्या की और उनसे तीनों लोकों के लिए अजेय और महापराक्रमी पुत्र का वर मांगा। इतना ही नहीं दंभ के पुत्र शंखचूड़ ने ब्रह्मा जी की तपस्या कर उनसे स्वयं के लिए अजेय होने का वरदान हासिल किया। फलस्वरूप कुछ समय बाद ही वह तीनों लोकों पर अपना स्वामित्व स्थापित कर लिया। शंखचूड़ के अत्याचारों से तीनों लोक बुरी तरह से प्रभावित था। इंसान तो दूर देवता भी उससे परेशान हो गए। इससे निजात पाने के लिए सभी शिव जी के पास गए, लेकिन शिव जी उसका वध कर पाने में असमर्थ रहें क्योंकि उसे श्रीकृष्ण कवच और तुलसी की पतिव्रत धर्म की प्राप्ति थी। इधर बीच भगवान विष्णु जी ने ब्राह्मण का भेष बदलकर शंखचूड़ से श्रीकृष्ण कवच दान में ले लिया। साथ ही शंखचूड़ का रूप धरकर तुलसी के शील का हरण भी कर लिया। इस बीच शिव जी ने शंखचूड़ को अपनी त्रिशूल से भस्म कर दिया। ऐसा कहा जाता है कि शंखचूड़ की हड्डियों से ही शंख का जन्म हुआ और यही कारण है कि शिव जी की पूजा में शंख का इस्तेमाल वर्जित है।

पुजारा के शतक से भारत मजबूत, 4 विकेट के नुकसान पर बनाए 303 रन

सिडनी (आरएनएस)। चेतेश्वर पुजारा (130) की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार का खेल समाप्त होने तक चार विकेट के नुकसान पर 303 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर जारी इस मैच में पुजारा के साथ हनुमा विहारी (39) नाबाद लौटे हैं।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। पुजारा के अलावा इस पारी में मेहमान टीम के लिए मयंक अग्रवाल ने भी 77 रनों का अहम योगदान दिया है। आस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड ने सबसे अधिक दो विकेट लिए, वहीं मिशेल स्टॉर्क और नाथन लॉयन को एक-एक सफलता मिली है।

आज का राशिफल

मेष: आपका आज का दिन अध्यात्म में बीतेगा। आज आध्यात्मिक सिद्धि मिलने का भी योग है। वाणी और नफरत की भावना पर संयम रखें। आज किसी प्रकार की यात्रा के बारे में सोच रहे हों तो उसे टाल दें।

वृषभ: आज आपको गृहस्थ जीवन में सुख का अनुभव होगा। परिवार के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विदेश से अच्छा समाचार मिलेगा। लक्ष्मीजी की कृपा से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी है। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। आपके अधूरे कार्य संपन्न होंगे, इससे आपको यश और कीर्ति मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा। वाणी पर संयम रखें।

कर्क: आज का दिन शांति से बीतेगा। आज आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आकस्मिक खर्च भी होगा। वाद-विवाद टालें। प्रवास के बारे में भी फिलहाल कोई योजना न बनाएं।

सिंह: आज आप अस्वस्थ और व्याकुल हो सकते हैं। मन उदास हो सकता है। माता के साथ मनमुटाव भी हो सकता है। संपत्ति से जुड़े कामों को सावधानी से निपटाएं।

कन्या: किसी भी कार्य के बारे में सोच समझकर फैसला करें। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे। कार्य में सफलता मिलने की संभावना है। आर्थिक लाभ की संभावना भी अधिक है।

तुला: आज आपका मनोबल गिर सकता है। नए कार्य तथा महत्वपूर्ण निर्णय आज न लें। परिजनों के साथ वाद-विवाद न हो इसलिए जुबान पर संयम रखें। समाधानकारी रवैया अपनाएं।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए शुभ है। परिवार के सदस्यों के साथ आनंदपूर्वक समय बिताएंगे। स्वजनों से भेंट या उपहार मिल सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे और घूमने भी जा सकते हैं।

धनु: आज का दिन कुछ कष्टदायक हो सकता है। परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है। वाणी एवं बर्ताव में संयम रखें। धन का अधिक व्यय होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सावधान रहें।

मकर: आज विविध क्षेत्रों से आपको लाभ होने के योग हैं। मित्रों और संबंधियों से प्रेम रहेगा। विवाह के योग्य लोगों को आज कम प्रयास से सफलता मिल सकती है। शेयर-सट्टे में आर्थिक लाभ होगा।

कुंभ: आज का दिन अनुकूल है। आपका हर कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा, इस वजह से आप प्रसन्न रहेंगे। ऑफिस एवं व्यवसाय स्थल पर अनुकूल वातावरण रहेगा एवं सफलता भी मिल सकती है।

मीन: मन में व्याकुलता रहेगी। उच्च अधिकारियों के साथ संभलकर रहें। संतान के विषय में चिंता सताएगी। व्यर्थ ही खर्च होगा। पेट संबंधित व्याधियों के योग हैं।

शिमला मिर्च और बेसन की सब्जी बनाने की विधि

शिमला मिर्च और बेसन की सब्जी का स्वाद बहुत जबरदस्त होता है। तो आइए आज हम आपको बताते है

बनाने की सामग्री : शिमला मिर्च- 2 (कटी हुई), बेसन- आधा कप, सौंफ- ¼ चम्मच, मेथी दाना- ¼ चम्मच, हींग- ¼ चम्मच, धनिया पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- द छोटा चम्मच, आम पाउडर- ½ चम्मच, गरम मसाला- द चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

बनाने की विधि : एक पैन में तेल गर्म करें। अब इसमें मेथी दाना, सौंफ और हींग डालें। 3-4 मिनट बेसन को भून लें। आंच कम रखें वरना बेसन जल जाएगा और फिर उसका स्वाद अच्छा नहीं आएगा। पूरी तरह भून जाने के बाद इसमें शिमला मिर्च, नमक डालकर मिला लें और थोड़ा सा पानी। अब इसे ढ़ककर पकाएं। बीच-बीच में शिमला मिर्च चेक करते रहें।1-2 मिनट बाद इसमें अमचूर, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और गरम मसाला मिक्स कर दें। सारे मसाले मिक्स करने के बाद और 2-3 मिनट पकाकर गरमा गरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-37

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

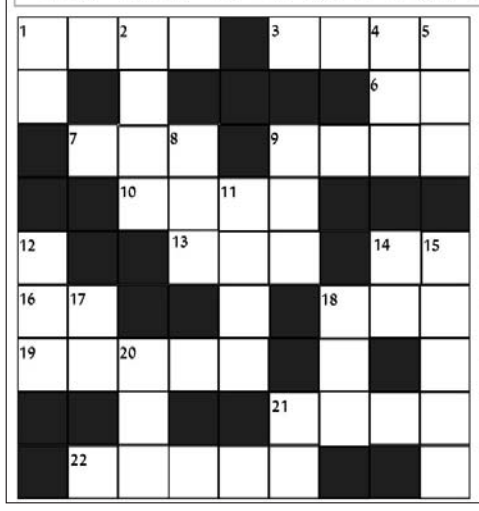

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू-37

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.36 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6